फ्रांस अब अमेरिका के प्रभुत्व से अलग होकर ब्रिक्स गठबंधन में शामिल होना चाहता है?

फ्रांस ने खुद आगे बढ़कर ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने का आग्रह किया

जोहान्सबर्ग, 23 जून। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की ओर से ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए निमंत्रण के अनुरोध से अमेरिकी नेतृत्व वाले जी-7 में दरार का संकेत मिल रहा है।

जोहान्सबर्ग विश्वविद्यालय के अफ्रीका-चीन अध्यन केंद्र में एक वरिष्ठ शोधार्थी कोफी कौआकोउ ने मीडिया से यह बात कही।

मैक्रों की शीर्ष राजनयिक कैथरीन कोलोना ने मंगलवार को कहा था कि राष्ट्रपति अगस्त में ब्रिक्स की बैठक में पर्यवेक्षक के रूप में शामिल होने के लिए जोहान्सबर्ग जाने के लिए इच्छुक हैं।

कौआकोउ ने कहा, इससे पता चलता है कि जी-7 और पश्चिमी देशों के नेतृत्व वाले गठबंधन में दरार है और फ्रांस, जर्मनी समेत कई राष्ट्र वहां से निकलना चाहते हैं। फिर भी किसी भी स्थिति में, अगर फ्रांस ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने का अनुरोध कर रहा है तो यह बहुत महत्वपूर्ण है।

कौआकोउ ने कहा कि तेजी से बदलती दुनिया में, ब्रिक्स वैश्विक स्तर पर बहुत महत्वपूर्ण होता जा रहा है, इसमें वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 40 प्रतिशत से ज्यादा और दुनिया की आबादी का आधे से ज्यादा हिस्सा शामिल है।

- **इससे पता चलता है कि, जी-7 और अमेरिका के नेतृत्व वाले गठबंधन में दरार है और फ्रांस व जर्मनी सहित, कई राष्ट्र वहां से निकलना चाहते हैं।**
- **जैसा कि विदित है कि, तेजी से बदलती दुनिया में, ब्रिक्स (ब्राज़ील, इंडिया, चीन और साउथ अफ्रीका) संगठन वैश्विक स्तर पर बहुत महत्वपूर्ण होता जा रहा है, इसमें वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 40 प्रतिशत से ज्यादा और दुनिया की आबादी का आधे से ज्यादा हिस्सा शामिल है।**

उन्होंने कहा कि इस समूह में शामिल होने के लिए अरब जगत और ग्लोबल साउथ का प्रतिनिधित्व करने वाले कम से कम एक दर्जन क्षेत्रीय दिग्गजों ने शामिल होने के लिए अपनी दावेदारी पेश की है जो कि अमेरिका के नियम आधारित व्यवस्था के विपरीत बहुध्रुवीय वैश्विक दृष्टिकोण है।

विशेषज्ञ ने कहा कि फ्रांस खुद ब्रिक्स का अवलोकन करना चाहता है, लेकिन पेरिस के लिए वाशिंगटन के प्रभुत्व से मुक्त होना मुश्किल होगा। मैक्रों ने अपने वक्तव्य से अमेरिका में हलचल मचा दिया था जब अप्रैल में बीजिंग की यात्रा के दौरान कहा था कि चीन-अमेरिका गतिरोध में यूरोप को अमेरिका का 'माहतर' बनना चाहिए और कहा कई यूरोपीय लोग रणनीतिक स्वायत्तता की आवश्यकता महसूस करते हैं। मैक्रों के प्रस्ताव को ब्रिक्स से मिलीजुली प्रतिक्रिया मिली है।

कश्मीर में शुक्रवार को घुसपैठ करते चार आतंकी मारे गये

श्रीनगर , 23 जून। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा पर तैनात सतर्क जवानों ने गुरुवार और शुक्रवार की दरमियानी रात सीमा पार से घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया और इस दौरान चार अज्ञात आतंकवादियों को मार गिराया।

पुलिस ने आज बताया कि घुसपैठ की यह कोशिश उस दिन विफल की गयी है, जब केंद्रीय गृह मंत्री दो दिवसीय दौरे पर केंद्र शासित प्रदेश में आए हुए हैं। पुलिस ने कहा कि घुसपैठ की यह कोशिश माछिल सेक्टर के काला जंगल में विफल की गयी।

- **सुरक्षाबलों ने सतर्कता बरतते हुये एल.ओ.सी. पार करके भारतीय क्षेत्र में घुसने जा रहे चार आतंकियों को मुठभेड़ में मौके पर ही मार दिया।**

पुलिस ने ट्वीट करके कहा, सेना और पुलिस के संयुक्त अभियान में कुपवाड़ा के माछिल सेक्टर में काला जंगल में चार आतंकवादी मारे गए। इस घटना से समय आतंकवादी सीमा पार से घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे।

'टाईटैनिक की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

महासागर में गए थे वहां उनकी पनडुब्बी तक डूबे हुए जहाज के प्रापैलट में फंस गई थी। उन्होंने सी.एस.एन. को बताया कि तब उन्हें ऐसा लगा मानो इस अर्थाह जल राशि में जीवित ही दफन हो जाएंगे।

उन्होंने कहा कि यह ऐसा अनुभव था जिसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता है। ऐसा लग रहा था कि में अनन्त जल में फंस गया हूँ। रैस्क्यू टीम को बुलाना संभव नहीं था। संयोगवश उनके ड्राइवर पनडुब्बी को प्रोपैलर से निकाल लिया और वे बच गए। यू.एस. कोस्टगार्ड के अनुसार उन्होंने कुछ आवाज़ें सुनी थी, पर विस्फोट की पुस्टि तब ही कि जब रोबोट ने समुद्र की तलहटी में पनडुब्बी के बिखरे कल पुर्जों का पता लगाया। अभी पनडुब्बी में सवार 5 यात्रियों के अवशेष व अन्य सामान ढूंढने की कोशिशे चल रही हैं। टाइटैनिक कोशिशे चल रही है। टाइटैनिक खोजी वाहन सुबह 9 बजे समुद्र में अंदर की यात्रा पर रवाना हुआ था, उनसे आखिरी बार 11.47 पर सम्पर्क हुआ था। वाहन के शाम 6.10 तक वापस आने की उम्मीद थी जब 6.35 तक वापसी नहीं हुई तो उसके बाद तलाशी अभियान शुरु हुआ। अगला दिन होने पर इस तरह डाइव के अनुभवी लोग जैसे कैमरून आदि को अडंगा हो गया था कि कोई हादसा हो गया है पर वे भगवान से प्रार्थना कर रहे थे कि काश वे गलत हो।

'अध्यादेश का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हम केन्द्र के अध्यादेश के विरूद्ध आप को समर्थन देने के बारे में निर्णय लेंगे।" तथापि, आप प्रवक्ता, प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि, उनके पास यह जानकारी है कि राहुल गांधी व भाजपा ने एक समझौता किया है। उन्होंने कांग्रेस से कहा कि, वो इस असंवैधानिक अध्यादेश के विरूद्ध अपना रूख स्पष्ट करे।

आदिपुरूष...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

धार्मिक भावनाओं पर आघात पहुंचाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। याचिका में केंद्र और राज्य सरकार को पक्षकार बनाते हुए कहा गया है कि केन्द्र सरकार को सिनेमेटोग्राफी एक्ट के तहत फिल्म के प्रमाण पत्र को सस्पेंड करने के निर्देश दिए जाए।

वहीं राज्य सरकार को प्रदेश में निर्देश दिए जाए कि वह फिल्म का प्रदेश में प्रदर्शन बैन करे। इसके साथ ही हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को आघात पहुंचाने वाले फिल्म के निर्माता व लेखक पर पेनल्टी लगाई जाए। गौरतलब है कि आदिपुरुष फिल्म रिलीज होते ही विवादों में पड़ गई है, इस वजह से उसकी दैनिक कमाई भी काफी कम हो गई है। हाल ही में फिल्म के कई विवादित डायलॉग में संशोधन किया गया है।

काफी रोचक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उसने कई छोटी-मोटी पार्टियों से, खासतौर हिन्दी भाषी उत्तर प्रदेश और बिहार में, बातचीत शुरु कर दी है।

अभी-अभी एच.ए.एम. नेता जीतन राम माँझी ने गृह मंत्री अमित शाह के साथ मीटिंग की तथा फिर से एन.डी.ए. में शामिल होने के अपने निर्णय की घोषणा कर दी। भाजपा सूत्रों ने कहा, "अगले साल होने वाले आम चुनावों से पहले के महीनों में एन.डी.ए. को मजबूत करने के प्रयास किये जा रहे हैं।"

पटना की मीटिंग ने भाजपा को विपक्ष के खिलाफ पूरे जोर-शोर से पब्लिसिटी वॉर शुरु करने की स्थिति में ला दिया है। एक पोस्टर में नीतीश कुमार को यह कहते हुये उद्धृत किया गया है कि "वे स्वयं को मिट्टा में मिला देंगे, लेकिन लालू यादव के साथ नहीं रहेंगे।" एक अन्य पोस्टर में, लालू यादव के साथ नहीं रहेंगे।" एक अन्य पोस्टर में, लालू प्रसाद नीतीश कुमार से यह कहते हुये उद्धृत किये गये हैं: "आओ, मेरी गोद में बैठ जाओ।" एक अन्य पोस्टर में, एक घोड़े की पीठ पर एक कुर्सी रखी हुई है तथा उस पर लिखा हुआ है "2024 के प्रधानमंत्री की कुर्सी।" नीतीश और लालू दोनों ही उसकी तरफ बढ़ते दिखाये गये हैं तथा पृष्ठभूमि में विपक्षी नेताओं की भीड़ दिखाई गई है। इस बीच, वह घोड़ा कह रहा है, "दुल्हन का नामो-निशान तक नहीं, और दौड़ में इतने सारे दूल्हे।" एक पोस्टर में, राहुल गांधी सचमुच के देवदास के रूप में दिखाये गये है, जिन्होंने पश्चिम बंगाल ममता बनर्जी को दे दिया, दिल्ली और पंजाब अरविन्द केजरीवाल को दे दिये, बिहार लालू और नीतीश को दे दिया, उत्तर प्रदेश अखिलेश यादव को तथा तमिलनाडु एम.के. स्टालिन को दे दिया।" अब ये सब राहुल से पूरी तरह से राजनीति छोड़ने के लिए कह देंगे।"

मणिपुर मसले पर 24 जून को सर्वदलीय बैठक

नयी दिल्ली 22 जून। कांग्रेस ने कहा है कि मणिपुर में जारी हिंसा को लेकर केंद्र सरकार का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गैरमौजूदगी में सर्वदलीय बैठक बुलाने का कोई मतलब है और इससे समस्या का समाधान निकलेगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री की गैरमौजूदगी में हो रही बैठक को लेकर मोदी पर हमला करते हुए कहा मणिपुर 50 दिनों से जल रहा है, मगर प्रधानमंत्री मौन रहे। सर्वदलीय बैठक तब बुलाई जब प्रधानमंत्री खुद देश में हैं। साफ है, प्रधानमंत्री के लिए ये बैठक महत्वपूर्ण है। इस बीच कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि 50 दिन से मणिपुर जल रहा है और प्रधानमंत्री जब विदेश यात्रा पर हैं तो मणिपुर हिंसा को लेकर उन गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में बैठक बुलाई जा रही है।

- **कांग्रेस ने कहा है कि, प्र.मंत्री की अनुपस्थिति में इस तरह सर्वदलीय बैठक बुलाने का कोई मतलब नहीं समझ में आ रहा।**

17 गैर एन.डी.ए. पार्टियों ने लोकसभा चुनाव "एक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भाजपा को खदेड़ देने का फैसला कर लिया तथा हम अगली सरकार बनाने के बारे में पूरी तरह आश्वस्त हैं।"

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लोकतांत्रिक संस्थाओं पर कथित हमले का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, "यह विचारधाराओं की लड़ाई है। हमारे बीच कुछ मतभेद हो सकते हैं लेकिन हमने अपनी विचारधारा की सुरक्षा के लिये, लचीला रूख अपनाते हुए मिलकर लड़ने का निर्णय ले लिया है। यह एक प्रक्रिया है और हम इसे जारी रखेंगे।"

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री तथा तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने भी दृढ़तापूर्वक कहा कि आज की मीटिंग में उपस्थित हुई पार्टियाँ एक होकर चुनाव लड़ेंगी।

बनर्जी ने कहा, "जो पटना से शुरू होता है, जन आंदोलन बन जाता है।" उन्होंने यह बात आपातकाल के दौरान हुये ऐतिहासिक जे.पी. आंदोलन की ओर संकेत करते हुये कही।

सूत्रों का कहना है कि मीटिंग के दौरान, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच कहा-सुनी हुई। आप प्रमुख अरविन्द केजरीवाल ने अध्यादेश के मुद्दे पर कांग्रेस को अपना रूख स्पष्ट कर देने के लिये कहा।

मीटिंग शुरू होने से पहले ही, कांग्रेस पर अतिरिक्त नैतिक दबाव बनाने के उद्देश्य से आप ने एक और चली थी। आप की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस, भाजपा के साथ हुई किसी डील के कारण, अपना रूख स्पष्ट नहीं कर रही है। कक्कड़ ने मीटिंग से कुछ ही मिनट पहले एक टी.वी. समाचार चैनल को बताया कि उन्हें विश्वसनीय सूत्रों से यह जानकारी मिली है कि कांग्रेस और भाजपा के बीच कोई सामंजस्य है" तथा इसीलिये कांग्रेस इस अध्यादेश का विरोध नहीं कर रही है।

- **पर, केजरीवाल, मुद्दे को सार्वजनिक तौर पर जीवित रखना चाहते हैं, जिससे यह छवि बने कि वो ही भाजपा से लड़ने के लिये सबसे गंभीर हैं।**
- **केजरीवाल ने यह धमकी भी दी कि, अगर कांग्रेस ने अपना "स्टैण्ड" स्पष्ट नहीं किया तो, आप के लिये उनके साथ मंच साझा करना मुश्किल होगा।**

मल्लिकार्जुन खड़गे ने आप की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ के इस आरोप को मीटिंग में उठाया कि कांग्रेस, भाजपा के साथ हुई किसी डील के कारण, इस मामले में अपना रूख स्पष्ट नहीं कर रही है। पटना में हुई 17 पार्टियों की इस मीटिंग के बाद, जहां विपक्षी दलों की प्रैस कॉन्फ्रैंस जहां विपक्षी एकता की बात कर रही थी, वहीं आम आदमी पार्टी कांग्रेस पर दबाव बनाने में लगी हुई थी। आप ने कहा कि अगर कांग्रेस दिल्ली के प्रशासनिक सेवाओं पर नियंत्रण के लिये लाये गये केन्द्र के विवादास्पद अध्यादेश का सार्वजनिक रूप से विरोध नहीं करेगी, तो वह (आप) विपक्ष की किसी भी आगामी मीटिंग का हिस्सा नहीं बनेगी।

आप प्रमुख केजरीवाल इस मुद्दे को जनता के सामने लाने के लिये बहुत उद्यत बताये जाते हैं क्योंकि वे जनता में अपनी ऐसी छवि बनाना चाहते हैं कि वे भाजपा से लड़ रहे हैं।

सूत्रों ने कहा कि प्रैस कॉन्फ्रैंस में हुई घोषणा से पहले, बिहार की राजधानी पटना में हुई इस मीटिंग में कांग्रेस और आप में तीखी बहस हो गई थी। आप प्रमुख केजरीवाल ने कांग्रेस से कहा कि वह अध्यादेश पर अपना रूख स्पष्ट करे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आप की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ के इस आरोप को मुद्दे के रूप में उठाया कि कांग्रेस, भाजपा के साथ हुई किसी डील के कारण, अपना रूख स्पष्ट नहीं कर रही है।

कांग्रेस ने बार-बार कहा कि इस प्रकार की बड़ी मीटिंग इस प्रकार के मुद्दों के लिये उचित अवसर नहीं है तथा कांग्रेस इस प्रकार के मुद्दों पर निर्णय संसद के सत्रों से पहले लिया करती है।

खड़गे ने पटना पहुंचकर कहा था, "इसका विरोध करने या इसका समर्थन करने का काम बाहर नहीं होता, संसद में होता है। संसद शुरू होने से पहले, सभी पार्टियाँ निर्णय लेती हैं कि उन्हें किन मुद्दों पर मिलकर काम करना है। वे (आप) इस बात को जानते हैं तथा उनके नेता हमारी सर्वदलीय मीटिंगों में आते हैं। मैं नहीं समझ पा रहा कि इस बारे में (संसद के) बाहर इतनी पब्लिसिटी क्यों की जा रही है।"

जैसी अपेक्षा थी, विपक्ष की इस पहली मीटिंग में "साझा न्यूनतम कार्यक्रम" (कॉमन मिनिमम प्रोग्राम) पर संक्षेप में चर्चा हुई। इसके साथ ही, मीटिंग में सामाजिक न्याय, केन्द्र द्वारा जांच एजेंसियों के कथित दुरूपयोग, मणिपुर-हिंसा, पहलवान आंदोलन तथा दिल्ली अध्यादेश से संबंधित मुद्दे भी उठाये गये। भाजपा के खिलाफ संयुक्त विपक्ष के किसी एक चेहरे पर चर्चा से जानबूझ कर बचा गया।

9 साल में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

साथ उनकी सरकार के व्यवहार को लेकर जताई गई चिंताओं को नज़रअंदाज़ करते हुए कहा, "पक्षपात का कोई प्रश्न ही नहीं उठता" और यह भी कि, "प्रजातंत्र हमारे डी.एन.ए में है।" मोदी की टिप्पणियाँ वैसी ही थीं जैसी हमेशा उनकी सरकार की होती हैं, आलोचना का सामन करते समय। उनकी सरकार ने विरोधियों को इस तरह से डराया/धमकाया है, जिससे भारत में तानाशाही का भय पैदा हो गया है। लेकिन, लाइव न्यूज़ कॉन्फ्रैंस में प्रश्नों के सीधे जवाब देना मोदी के लिए एक असामान्य बात है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908